5. 'संस्मरण' किसे कहते हैं ? हिन्दी के प्रमुख संस्मरणकारों का परिचय दीजिए।

6. 'महाभारत की सांझ' एकाकी घटना प्रधान न होकर चिंतन प्रधान है। स्पष्ट कीजिए।

7. घीसा की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

8. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) ललित निबंध

   (ख) जीवनी

9. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की तात्विक समीक्षा कीजिए।

HD–03

December – Examination 2021

B.A. (Part I) Examination

HINDI SAHITYA

हिन्दी गद्य भाग-II (नाटक एवं गद्य विधाएँ)

Paper : HD-03

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **4×3½=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 3½ अंकों का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   (i) एकांकी के तत्वों का उल्लेख कीजिए।

   (ii) 'भोलाराम का जीव' के रचनाकार का नाम बताइए।

(iii) ''नाखून क्यों बढ़ते हैं'' निबंध किस संग्रह से लिया गया है ?

(iv) डॉ. राम विलास शर्मा किस विचारधारा के आलोचक हैं ?

(v) 'कलम का सिपाही' किस महान रचनाकार की जीवनी है ?

(vi) हिन्दी के दो यात्रा वृतान्तकारों का नामोल्लेख कीजिए।

(vii) 'रिपोर्ताज' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(viii) नाटक के प्रमुख तत्त्वों के नाम लिखिए।

खण्ड—ब **4×14=56**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''कुछ नहीं, मैं केवल यही कहना चाहती हूँ कि पुरुषों ने स्त्रियों को अपनी पशु-सम्पत्ति समझकर उन पर अत्याचार करने का जो अभ्यास बना लिया है, वह मेरे साथ नहीं चल सकता। यदि तुम

मेरी रक्षा नहीं कर सकते, अपने कुल की मर्यादा-नारी का गौरव-नहीं बचा सकते, तो मुझे बेच भी नहीं सकते। हाँ, तुम लोगों को आपत्ति से बचाने के लिए मैं स्वयं यहाँ से चली जाऊँगी।''

3. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''मनुष्य की बर्बरता घटी कहाँ है, वह तो बढ़ती जा रही है। मनुष्य के इतिहास में हिरोशिमा का हत्याकांड बार-बार थोड़े ही हुआ है ? यह तो उसका नवीनतम रूप है। मैं मनुष्य के नाखून की ओर देखता हूँ, तो कभी-कभी निराश हो जाता हूँ। ये उसकी भयंकर पाशपी वृत्ति के जीवन प्रतीक हैं। मनुष्य की पशुता को जितनी बार भी काट दो, वह मरना नहीं जानती।''

4. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''भक्ति-आंदोलन में जो भावात्मक एकता स्थापित हुई, उसमें जितना फैलाव था, उतनी गहराई भी थी। यह एकता समाज के थोड़े-से शिक्षित जनों तक सीमित नहीं थी। संस्कृत के द्वारा जो शब्दीय एकता कायम हुई थी उससे यह भिन्न थी। इसकी जड़ें नगरों और गाँवों की अनपढ़ जनता के बीच गहरी चली गई थीं। यह एकता प्रादेशिक भाषाओं के माध्यम से कायम हो रही थी।''